RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-14 | अंक 6-7 | मई-जून 2018 (संयुक्तांक) | विक्रमी सं. 2074 | मूल्य : एक रुपया

प्रचार विभाग की अखिल भारतीय कार्यकर्ता विकास कार्यशाला सम्पन्न

स्थानः- सरस्वती बाल मंदिर, नेहरुनगर, नई दिल्ली (28-30 अप्रैल 2018)

मीडिया प्रोपैगण्डा या पब्लिसिटी नहीं मीडिया रिलेशन होना चाहिए

मीडिया-जन संवाद के माध्यम को ध्यान में रखकर इसे देखना - मा. मनमोहन जी वैद्य

मीडिया जन संवाद का माध्यम है अतः इसे ध्यान में रखकर देखना व संवाद करना, उपरोक्त शब्द विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की प्रचार विभाग की अखिल भारतीय कार्यकर्ता विकास कार्यशाला के समापन अवसर पर माननीय डॉ. मनमोहन वैद्य जी, सह सरकार्यवाह ने कहे। उन्होंने कहा कि हमारा विचार, हमारी बात जनता तक पहुँचाने का माध्यम मीडिया है, इसलिए जन-संवाद शब्द जुड़ा है। राष्ट्र के विषय में बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमारी राष्ट्र की तरफ देखने की विशिष्ट दृष्टि है। इसके लिए हमारा आधार हमारा विचार है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान 1952 से शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत है। भारत केन्द्रित व भारतीय चिन्तन के आधार पर शिक्षा कैसी होनी चाहिए व शिक्षा के साथ संस्कार व विचार भी बालक को दिया जाना चाहिए, इसके लिए विद्या भारती ने देश में एक प्रतिमान खड़ा किया है। इतने वर्षों में संस्कारयुक्त शिक्षा के लिए अनेकानेक सफलतम् प्रयोग हुए हैं। हमारे विद्यालय समाज परिवर्तन के वाहक बने हैं। एक अच्छा नागरिक तैयार करने में जो सफलता मिली है वह दुनियाभर में फैले पूर्व छात्रों के कर्तृत्व को देखकर ध्यान आती है। हमारा विचार, हमारी सफलताएँ, हमारी उपलब्धियाँ, हमारे सफलतम प्रयोग यह समाज में मीडिया के माध्यम से जाएँ, इसलिए प्रचार विभाग है।

प्रचार विभाग के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए 28-30 अप्रैल को सरस्वती बाल मंदिर, नेहरुनगर, नई दिल्ली में 'प्रचार विभाग अखिल भारतीय कार्यकर्ता विकास कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रत्येक प्रांत से चार प्रकार के कार्यकर्ताः- प्रचार प्रमुख, संवाददाता, पत्रिका सम्पादक व प्रांतीय समिति से प्रभारी कार्यकर्ता अपेक्षित थे। कुल 11 क्षेत्रों से 36 प्रांतों से 97 कार्यकर्ता सहभागी हुए और 13 विषय विशेषज्ञों व अधिकारियों द्वारा कार्यशाला में प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन किया गया।

उद्घाटन सत्र में बोलते हुए विद्याभारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री अवनीश जी भटनागर ने कहा कि आत्म-प्रशंसा के लिए प्रचार नहीं, अच्छी बातों को समाज तक पहुँचाने के लिए प्रचार विभाग है। उन्होंने कहा कि इस कार्य को प्रभावी बनाने के लिए पत्रकार, मीडियाकर्मी के अलावा समाज में Opinion maker वर्ग चाहे वो Academia हो या Intelligentia या समाज का प्रबुद्ध वर्ग हो, से सम्पर्क करना आवश्यक है।

संगठनात्मक विषय पर श्री सुधाकर रेड्डी (प्रभारी प्रचार विभाग) ने बताया कि पूर्व छात्रों, प्रबंध समिति के कार्यकर्ताओं को प्रचार विभाग का दायित्व देना चाहिए। विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोविंद शर्मा जी ने कहा कि समाज को हमारे विचारों के साथ जोड़ना हमारा लक्ष्य है। हमें यदि अपनी दृष्टि, विचारों को समाज तक पहुँचाना है तो हमें Digital/Social Platform की ओर मुड़ना होगा।

28 अप्रैल प्रातः से प्रारम्भ होकर 30 अप्रैल सायंकाल तक कुल 16 सत्रों में मीडिया के विभिन्न आयामों व तकनीकी कौशल का अभ्यास कराया गया। प्रिंट व इलैक्ट्रॉनिक मीडिया से संवाद, मीडिया और लेखन के विविध स्वरूप, Photo Journalism, वीडियोग्राफी, सोशल मीडिया, Data Mining & Web Publishing, Panel Discussion, Debate आदि विषयों पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा रुचिपूर्ण ढंग से अभ्यास हुआ। मीडिया हाऊस की संरचना कैसी रहती है, वहाँ प्रबंधन कैसे रहता है, इसके लिए प्रचार प्रमुखों को Zee News व पंजाब केसरी संस्थान ले जाया गया। प्रत्यक्ष जाकर देखने से प्रतिभागियों का अधिक ज्ञानवर्धन हुआ।

केन्द्रीय संवाद पत्रिकाएँ, Facebook page, whatsapp का उपयोग आदि विषय पर श्री विजय मारू जी ने सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी। राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार जी द्वारा विद्याभारती का वैचारिक अधिष्ठान, कार्यक्रम, गतिविधियाँ एवं वैशिष्ट्य पर PPT द्वारा विशेष मार्गदर्शन हुआ। उन्होंने बताया कि हम प्रचार विभाग के कार्यकर्ताओं को

अपनी सब बातों की जानकारी आवश्यक है।

अन्त में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन जी वैद्य ने बताया कि तीन प्रकार की तैयारी करनी है। एक अपने विषय की जानकारी, अध्ययन दूसरा जन संवाद के माध्यमों की समझ और तीसरा इन माध्यमों में लगे लोगों से सम्पर्क, सम्बंध व संवाद।

कार्यशाला के दौरान 30 अप्रैल को विद्या भारती के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री स्व. शंतनु रघुनाथ शेंडे जी की श्रद्धांजलि सभा भी आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में उनके जीवन के संस्मरण सभी के लिए प्रेरणास्पद रहे।

कार्यशाला में मा. काशीपति जी (राष्ट्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती), मा. ब्रह्मदेव जी शर्मा (राष्ट्रीय संरक्षक, विद्याभारती), श्री मिलिंद ओक, श्री अजिंक्य कुलकर्णी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विजन इंडिया फाउन्डेसन के 'अन्तरम (ANTARAM)' के मंच पर विद्या भारती

अभी पिछले 09-10 जून को शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन की दिशा में एक Reformer का रोल अदा करने वाली देश की सुप्रतिष्ठित संस्था Vision India Foundation के मंच अंतरम (Antaram) से प्रतिभाग करने का अवसर विद्या भारती ने मुझे प्रदान किया। अंतरम का उद्देश्य है -
A Meaningful Pause For Solution In Education.
संपूर्ण आयोजन आई.आई.टी. परिसर, नई दिल्ली के भव्य सभागार में दो दिन पूरे समय लगभग 250 प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

अंतरम के इस मंच से देश की लगभग 25 नामचीन संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग करते हुए शिक्षा के उद्देश्य के अनुरूप निर्धारित विषयों पर अपने-अपने विषयों का प्रतिपादन किया। ये संस्थाएँ प्रमुख रूप से थीं- श्री अरविन्द इंटरनेशनल सेन्टर फॉर एजुकेशन, पॉण्डिचेरी, ज्ञान प्रबोधिनी पुणे, ईशाहोम स्कूल कोयम्बटूर, वंदे मातरम फाउंडेशन, स्वयम, वयम दिल्ली महानगर का सरदार पटेल शिक्षा संस्थान तथा मातृ संगठन से संबंधित विद्या भारती, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, भारतीय शिक्षण मंडल एवं पुनरुत्थान ट्रस्ट।

मंच से जो आवाज गूँजकर प्रकट हुई, वो थी- देश एवं काल की आवश्यकतानुसार शिक्षा के क्षेत्र में एक उचित समाधान देने की। चूँकि प्रतिभाग करने वाली संस्थाओं का योगदान राष्ट्र निर्माण में उनके प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर लंबे समय से प्राप्त हो रहा है, एतदर्थ सभी वक्ताओं का विषय प्रतिपादन मन को छूने एवं कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देने वाला था।

इस आयोजन में राजस्थान, महाराष्ट्र एवं दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव एवं निदेशकों ने भी अपने-अपने राज्यों में किए जाने वाले शैक्षिक प्रयोगों का वृहद् वर्णन करते हुए शिक्षण संस्थाओं में समाज से प्राप्त महत्वपूर्ण योगदानों का भी उल्लेख किया। विद्या भारती की ओर से ''संस्कृति एवं शिक्षा (Culture & Education)" विषय पर प्रस्तुत वक्तव्य में मेरे द्वारा यह स्पष्ट करने का प्रयत्न किया गया कि ये दोनों अन्योन्याश्रित हैं, परन्तु संस्कृति शिक्षा के मूल में है। संस्कृतिविहीन शिक्षा का कोई आधार नहीं होता है। इस विषय पर गीत की इन पंक्तियों के सार का भी उल्लेख किया गया।

शिक्षा क्या स्वर साध सकेगी, यदि नैतिक आधार नहीं है।
सृजनहीन विज्ञान व्यर्थ है, यदि मानव का प्यार नहीं है।।
निर्माणों के पावन युग में, हम चरित्र निर्माण न भूलें।
स्वार्थ साधना की आँधी में, वसुधा का कल्याण न भूलें।।

विषय प्रस्तुति के बाद प्रश्नोत्तर बेला में अनेक प्रशिक्षकों की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया। इस सेमिनार में एक अत्यन्त आनन्ददायी अनुभव जो मैंने किया, वह था- आयोजकों, प्रतिभागियों एवं प्रबंधन में लगे कार्यकर्ताओं का व्यवहार। अनेक अवसरों पर (चलते फिरते या भोजन व जलपान करते समय भी) आग्रहपूर्वक अनेक कार्यकर्ता अपना परिचय स्वयमेव देते हुए सामने वाले से संवाद करने की इच्छा रखते थे। शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा हो रहे कार्यों की जानकारी देते हुए वे अपने अनेक प्रश्नों का समाधान भी चाहते थे।

संपूर्ण आयोजन अत्यन्त आनन्दानुभव एवं प्रेरणायुक्त था।

Vision India Foundation के कार्यकर्ताओं के प्रति आभार।

प्रस्तुति - राजेन्द्र सिंह बघेल,
रा. संयोजक, विद्या भारती कार्यकर्ता प्रशिक्षण।

स्मारिका 'प्रेरणा' का हुआ विमोचन

ब्रजप्रदेश के स्वावलम्बी पूर्व छात्रों के मिलन कार्यक्रम 'प्रेरणा संगम' की स्मारिका 'प्रेरणा' का विमोचन कासगंज (उ. प्र.) में आयोजित विद्या भारती बृज प्रदेश के प्रधानाचार्य योजना बैठक में किया गया। पूर्व-छात्र ब्रज प्रदेश के संयोजक विनोद कुमार ने पत्रिका के सन्दर्भ में प्रस्तावना रखी। स्मारिका का विमोचन विद्याभारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री मा. यतीन्द्र शर्मा ने किया। इस अवसर पर ब्रज प्रदेश के संगठन मंत्री श्री हरिशंकर जी, संस्कृत भारती ब्रज प्रदेश के श्री श्रवण जी उपस्थित रहे।

द्रौपदी देवी सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर की प्रधानाचार्या डॉ. सोमवती शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया। पत्रिका की प्रति विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय संरक्षक श्री ब्रह्मदेव जी शर्मा 'भाई जी' को विद्याभारती पूर्व-छात्र परिषद्, ब्रज प्रदेश के संयोजक विनोद कुमार ने भेंट की।

प्रांतीय प्रधानाचार्य पुनश्चर्या वर्ग का हुआ आयोजन

द्वारा:- विद्या भारती काशी प्रांत

विद्यालय की सफलता का केन्द्र-बिन्दु प्रधानाचार्य - विजय उपाध्याय

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा निर्देशित एवं विद्याभारती पूर्वी उ.प्र. क्षेत्र द्वारा आयोजित काशी प्रांत के सभी प्रधानाचार्यों के 07 दिवसीय पुनश्चर्या वर्ग का आयोजन (दिनांक 17 मई से 24 मई 2018 तक) ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस, प्रयाग में किया गया। पुनश्चर्या वर्ग का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन व सरस्वती वन्दना से हुआ।

वर्ग के उद्घाटन के अवसर पर मा. डोमेश्वर साहू जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री), श्री विजय उपाध्याय (क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख), डॉ. जगदीश्वर प्रसाद द्विवेदी (विभागाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र, इंटर डिग्री कॉलेज), श्री बांके बिहारी पाण्डेय (प्रदेश निरीक्षक, विद्या भारती, काशी प्रान्त) मंचस्थ रहे।

उद्घाटन के पश्चात श्री डोमेश्वर साहू जी ने पुनश्चर्या वर्ग में मार्गदर्शन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रधानाचार्य की भूमिका एक आदर्श विद्यालय बनाने एवं समाज के निर्माण में महत्त्वपूर्ण होती है। आज समाज में नित्य-नूतन परिवर्तन हो रहे हैं, जिससे प्रधानाचार्य को नूतन विषय-वस्तु जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के आधारभूत अंग के रूप में प्रधानाचार्य की भूमिका जहाज के कप्तान की भाँति होती है। इस पुनश्चर्या वर्ग के आयोजन का उद्देश्य ''समाज को नई दिशा दिखाने का संकल्प धारण किए हुए प्रधानाचार्यों को नवीन विधाओं से अवगत कराना है।''

मा. साहू जी ने पुनश्चर्या वर्ग के प्रथम सत्र में एक सफल प्रधानाचार्य के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने प्रधानाचार्य के वेष, वाणी, समय-पालन, व्यवहार, स्वाध्याय, प्रामाणिकता, सकारात्मक सोच, विकासात्मक दृष्टि, समन्वय, संवाद, जनसंपर्क, कार्य-नियोजन तथा स्व-मूल्यांकन जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत व्याख्या की।

उद्घाटन के पश्चात् डॉ. जगदीश्वर प्रसाद जी ने प्रधानाचार्यों को विद्यालय की समस्त योजनाओं का केन्द्र-बिन्दू बताया। इसके कुछ मूलभूत घटकों का भी उल्लेख किया- जैसे शिक्षक, शिक्षार्थी, पाठ्यक्रम का मूल्यांकन, वातावरण (परिसर), शिक्षण पद्धति, समाज के साथ समन्वय आदि। उन्होंने कहा कि जो प्रधानाचार्य इन समस्त घटकों को समायोजित करके योजना रचना बनाता है, तो वह योजना सफल होती है जिसके कारण वह प्रधानाचार्य उन्नति के सर्वोच्च शिखर को प्राप्त करता है।

पुनश्चर्या वर्ग के एक अन्य सत्र में मा. डोमेश्वर साहू जी ने प्रधानाचार्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा विद्यालय ही हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि संगठन से व्यक्ति की पहचान होती है, लेकिन संगठन शुरू करने पर व्यक्ति से संगठन की पहचान बन जाती है। अत: दोनों तथ्यों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है साथ ही उन्होंने कहा कि आज विद्याभारती की समाज में जो पहचान है, उसके मूल में हमारे विद्यालय हैं। हमारे विद्यालयों की पहचान के निम्नलिखित बिन्दु हैं -

1. भैया-बहिनों का आचरण, व्यवहार
2. हमारी वन्दना व प्रार्थना सभा संगीत के साथ
3. विद्यालय की समय सारिणी
4. भैया-बहन तथा आचार्यों का वेष
5. विद्यालय की साज-सज्जा और स्वच्छता
6. महापुरुषों के चित्र तथा बोध वाक्य
7. भोजन मंत्र तथा सम्पूर्ण राष्ट्र-गीत आदि।

एक वैचारिक सत्र में विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार जी, विद्या भारती पूर्वी उ.प्र. के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. डोमेश्वर जी, क्षेत्रीय मंत्री मा. जयप्रताप सिंह जी, भारतीय शिक्षा परिषद् के सचिव एवं क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख श्री दिनेश सिंह जी, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष श्री जगदीश्वर प्रसाद जी द्विवेदी, राष्ट्रीय संयोजक (आचार्य प्रशिक्षण) श्री राजेन्द्र सिंह बघेल जी एवं भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उ.प्र. के अध्यक्ष डॉ. रघुराज सिंह जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

इसके अतिरिक्त विभिन्न सत्रों में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने अलग-अलग विषयों पर प्रधानाचार्यों को जानकारी दी।

अंतिम दिन प्रात:स्मरण, योग एवं संघ-प्रार्थना की वेला में अतिरिक्त समय देकर सभी प्रधानाचार्यों का इन सात दिनों में लिए गए विषयों का परीक्षण भी किया गया। प्रधानाचार्यों के परीक्षण में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले आदर्श विद्या मंदिर, भदैनी, वाराणसी के श्री प्रद्युम्न पांडेय जी को सम्मानित किया गया।

वर्ग के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि रहे एल.सी.डी. इंजीनियरिंग कॉलेज के निदेशक श्री संजय गुप्त जी ने अपने संस्थान के लिए 11 सर्वश्रेष्ठ छात्रों को नि:शुल्क अध्ययन करने हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि विद्याभारती ही एक ऐसा संस्थान है जो कि पूरे देश में संस्कारयुक्त शिक्षा प्रदान कर रही है। यहाँ के अध्ययनरत भैया/बहन शिक्षा के साथ संस्कार भी प्राप्त कर रहे हैं एवं देश व अपने संस्थान का नाम रोशन कर रहे हैं। वर्ग में आए हुए अतिथियों का आभार ज्ञापन क्षेत्रीय शिशुवाटिका प्रमुख श्री विजय उपाध्याय जी ने किया।

बाँके बिहारी पांडेय,
प्रदेश निरीक्षक, भा.शि.स. पूर्वी उ.प्र.।

वनवासी अभिभावक स्नेह मिलन समारोह का हुआ आयोजन

हापुड़ के वनवासी छात्रावास में एक अभिनव अनुकरणीय कार्य सम्पन्न हुआ

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से मार्गदर्शित एवं शिक्षा भारती द्वारा संचालित हापुड़ शहर ही नहीं अपितु देश का एक प्रमुख आदर्श व प्रभावी बालिका विद्यालय ''श्रीमती ब्रह्मादेवी सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर, मोदीनगर मार्ग, हापुड़ (उ.प्र.)'' में दिनांक 12 अप्रैल से 14 अप्रैल 2018 तक विद्याभारती के जनजातीय क्षेत्र की शिक्षा के अन्तर्गत विद्यालय द्वारा संचालित ''वनवासी छात्रावास'' में पहली बार ''वनवासी अभिभावक स्नेह मिलन समारोह'' का आयोजन हुआ। इस समारोह में वनवासी छात्रावास में पढ़ने वाली पूर्वोत्तर क्षेत्र, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, लेह-लद्याख, असम, मणिपुर, सिक्किम आदि प्रांतों से बालिका के अभिभावकों (माता-पिता व रिश्तेदार) का एक साथ आगमन हुआ। श्रद्धेय स्वर्गीय कृष्णचन्द्र गाँधी के चिन्तन, उनके विचार एवं प्रेरणा से मान्यवर राजकृपाल जी ने इस श्रेष्ठ कार्य को सन् 2000 में रियांग क्षेत्र के मात्र 09 छात्राओं को लेकर विद्यालय के दो कक्षा में व्यवस्था करके प्रारम्भ किया था।

गुणात्मक शिक्षा, संस्कार, कौशल विद्या आदि को लेकर इस सुदूर जनजातीय क्षेत्र की बालिकाओं के लिए इस महान कार्य का स्वरूप आज क्रियान्वयन होते हुए दिखाई दे रहा है। आज छात्रावास भवन के साथ अन्य सभी सुविधाओं से युक्त एक विशाल व्यवस्था मा. राजकृपाल जी के सतत् प्रयास व समाज के सहयोग से सम्भव हो सका। आज इस कार्ययोजना से शिक्षा-दीक्षा लेकर बहुत सी बालिकाएँ अपने-अपने क्षेत्र में देश और समाज के कार्य से जुड़ी हुई हैं और अपने जनजातीय समाज में आज कार्य कर रही हैं।

दिनांक 12 अप्रैल को सभी आगन्तुकों का स्वागत व परिचय हुआ। 13 एवं 14 अप्रैल को प्रातः 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था के अंतर्गत विभिन्न सत्रों में छात्रावास में अभिभावक मिलन का उद्देश्य, विद्यालय की भूमिका, छात्रावास की शिक्षा व्यवस्था, वनवासी छात्राओं के शिक्षा का उद्देश्य एवं अभिभावक की भूमिका, अभिभावकों का मंतव्य, छात्रावासी बालिकाओं की विकास यात्रा, अनुभव कथन, नियम-नीति, व्यक्तित्त्व विकास, अभिभावकों की सहभागिता, दायित्त्व, माता-पिता की भूमिका आदि विषय पर चर्चा की गई। परिवार व समाज सेवा, स्वच्छता एवं घर-ग्राम, अपशिष्ट पदार्थों का प्रयोग, कुटीर उद्योग, निरोग रहने हेतु प्राथमिक स्वच्छता आदि विषयों को रंगमंचीय कार्यक्रम के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस स्नेह मिलन के चिन्तक व जनजातीय क्षेत्र की शिक्षा के अ.भा. सह-संयोजक श्री पंकज सिन्हा जी के मार्गदर्शन में यह मिलन सम्पन्न हुआ। पूर्वोत्तर क्षेत्र से आए हुए अभिभावकों में ऐसे भी अभिभावक थे, जिन्होंने रेल का सफर पहली बार किया तथा इतना लम्बा सफर करने के पश्चात् हापुड़ पहुँचे। विद्यालय के संस्थापक, वनवासी छात्रावास एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए सतत् चिन्तन करने वाले व जीवन भर सेवा-भाव से कार्य करने में लगे रहे ऐसे वरिष्ठ विद्या भारती के कार्यकर्ता मान्यवर राजकृपाल जी का इस समारोह में स्वास्थ्य ठीक न होते हुए भी उपस्थित रहकर अभिभावकों को प्रेरणादायी दिशा-बोध करना इस पवित्र भाव का प्रकटीकरण है। वे बहुत कष्ट में रहते हुए भी एक बार सभी अभिभावकों से मिलने छात्रावास में पहुँचे तथा सभी को उनका आशीर्वचन प्राप्त हुआ।

शिक्षा भारती की अध्यक्षा श्रीमती स्वाति गर्ग, विद्यालय की व्यवस्थापिका श्रीमती पूनम अग्रवाल, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अलका गुप्ता का भी सभी अभिभावकों को मार्गदर्शन मिला। डॉ. मुक्ता शर्मा जी ने अभिभावकों को स्वच्छता एवं घर-ग्राम, अपशिष्ट पदार्थों का प्रयोग, कुटीर उद्योग, प्राथमिक स्वच्छता आदि के सन्दर्भ में बहुत सुन्दर ढंग से विषय वस्तु प्रस्तुत की तथा पी.पी.टी. के माध्यम से समझाया।

मा. यतीन्द्र जी शर्मा (राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री) का पाथेय सबको प्राप्त हुआ। उन्होंने मणिपुर, असम, सिक्किम, अरुणाचल, झारखण्ड, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, त्रिपुरा, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर आदि के बारे में, विद्याभारती को और क्या करना चाहिए, यह सुझाव माँगे। हमारी स्थानीय समाज में क्या भूमिका होनी चाहिए विषय पर मा. यतीन्द्र जी द्वारा अभिभावक एवं बालिकाओं के साथ सामुहिक सत्र में चर्चा के माध्यम से विचार प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि देश में आज बहुत से प्रदेशों में जनजातीय ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विद्याभारती के मार्गदर्शन में छात्रावास प्रारम्भ हो रहे हैं। भविष्य के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में ही प्रभावी छात्रावास बनाने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। अभिभावक भी अपने गाँव, समाज में सेवा कार्य से जुड़ें। अपनी भाषा, साहित्य, बोली, लिपि, संस्कृति एवं पर्यावरण आदि विषयों में योजनापूर्वक कार्य करते हुए सभी को अपने समाज से जोड़ना पड़ेगा। अतः सभी इसको देखें, समझें, व अन्य लोगों को प्रेरित कर कार्य करना प्रारम्भ करें। यह हम सभी का दायित्त्व भी है। योजनापूर्वक कुछ बाहरी शक्ति इन सुदूर क्षेत्रों में षडयंत्र कर सेवा की आड़ में संस्कृति व धर्म को नष्ट करने में लगे हुए हैं। आज अपनी संस्कृति का नुकसान, पहचान का नुकसान सिद्ध हो रहा है। इन से सावधान रहें, तभी शिक्षा ग्रहण करने का कार्य सार्थक होगा। देश व समाज के प्रति आज सजग प्रहरी होकर स्वाभिमान के साथ खड़े होने का समय है। विद्याभारती सम्पूर्ण देश में यही संदेश देना चाहती है। विद्याभारती संस्कारवान, ज्ञानवान, चरित्रवान मनुष्य निर्माण में लगा है। तभी देश भी आगे बढ़ेगा, सुरक्षित होगा।

सभी बालिकाओं के पिताश्री कहे जाने वाले व छात्रावास के प्रमुख व्यवस्थापक वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री हरीश मित्तल, छात्रावास के सदस्य श्री सुधीर अग्रवाल, लेखाकार पवन शर्मा व छात्रावास की देख-रेख करने वाली दोनों छात्रावास प्रमुख सुश्री च्वांगले न्यूमें व सोनाली दत्ता के अथक प्रयास व योजनापूर्वक कार्य करने से यह अभिभावक स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न हो सका। उपस्थित संख्या में अभिभावक 95, छात्रावास की बालिका 89 तथा अन्य 15 सहित कुल 199 लोगों के लिए व्यवस्था की गई थी।

प्रस्तुति - मोहन शर्मा,
प्रचार प्रमुख, पूर्व क्षेत्र गान्तोक।

महाकोशल में रानी दुर्गावती शोध संस्थान द्वारा हुई ''जल संरक्षण'' विषय पर परिचर्चा

वर्तमान समय में जल संकट को देखते हुए विश्व स्तर पर जल के संरक्षण हेतु व्यापक अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके लिए सरकार एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा योजनाबद्ध ढ़ंग से काम भी किए जा रहे हैं, परन्तु यह एक विश्वव्यापी प्राणिक संकट है। इसका समाधान शीघ्रातिशीघ्र करने की आवश्यकता है। इस कार्य को एक सामाजिक अभियान के रूप में लाने का समय आ चुका है। जल संकट की समस्या के समाधान के लिए जल का संरक्षण ही एक मात्र विकल्प है, जिससे जल की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। इसमें जन-जन का सहयोग अपेक्षित है। यदि समाज का हर एक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी मानकर इस अभियान में सहभागी बने तो जल संरक्षण को बल मिलेगा। अत: समाज के एक जागरुक अंग होने के नाते हम सबका कर्तव्य है कि इस अभियान को हर स्तर पर प्रोत्साहित करें ताकि वर्तमान जल संकट की समस्या का समाधान संभव हो सके। उक्त विचार ''जल संरक्षण'' विषय पर रानी दुर्गावती शोध संस्थान, जबलपुर द्वारा आयोजित परिचर्चा के दौरान डॉ. पवन तिवारी (संगठन मंत्री विद्या भारती महाकौशल) ने व्यक्त किए। इसके लिए उन्होंने एक ध्येय वाक्य भी दिया -

जल संरक्षण कीजिए, जल जीवन का सार ।
जल न रहे यदि जगत में, जीवन है दुष्वार ।।

कुछ ऐसे ही विचार इस परिचर्चा के दौरान उपस्थित नगर के कुछ प्रबुद्ध जनों ने भी व्यक्त किए। परिचर्चा में प्रो. ए.डी. एन. वाजपेयी (पूर्व कुलपति- हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला), डॉ. ए.वी. श्रीवास्तव, डॉ. नरेन्द्र कोष्टी (सह सचिव सरस्वती शिक्षा परिषद्), डॉ. सुधीर अग्रवाल, डॉ. विजय आनंद मरावी, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. अतुल दुबे, डॉ. आशीष मिश्र, डॉ. अमित झा, डॉ. मनोज अवस्थी (प्रो. मृदा एवं जल संरक्षण विभाग, कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर), डॉ. रत्नेश श्रीवास्तव (कृषि विश्वद्यिालय जबलपुर), डॉ. आर. के. एस. बघेल (संकायाध्यक्ष, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय), डॉ. संजय तिवारी (विभागाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय नवयुग कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय), डॉ. नरेन्द्र शुक्ला (प्रो. एवं अध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन मंडल रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, ज्ञानगंगा इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमेंट), डॉ. जी. पी. पांडेय (रजिस्ट्रार, पशु-चिकित्सा विश्वविद्यालय), डॉ. राजलक्ष्मी त्रिपाठी, डॉ. संजीव मोहन नामदेव, श्री भौमिक जी एवं शहर के वरिष्ठ एवं विद्वतजन उपस्थित हुए।

प्रवीण कुमार तिवारी,
प्रचार-प्रसार प्रमुख जबलपुर।

सरस्वती विद्यापीठ विद्यालय में प्रारम्भ हुआ नवचयनित आचार्य विकास वर्ग

सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित विद्याभारती मध्य भारत प्रान्त के शिवपुरी विभाग के नवचयनित आचार्यों का विकास वर्ग का आयोजन 20 मई 2018 को सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय शिवपुरी में हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री हितानंद जी ने कहा कि भारत देश की यह धरती केवल एक भूमि का टुकड़ा मात्र नहीं है। यह पुण्य भूमि है, जिसकी संस्कृति आदिकाल से सकल विश्व में विख्यात है, जो सदा एकात्म मानववाद का भाव प्रदान करती है। इसका उदाहरण है स्वामी विवेकानंद जी का शिकागो से आगमन के बाद भारत में आते ही मातृभूमि की मिट्टी में लोट जाना। यहाँ के पर्वत, नदी, महासागर, नगर, वेद-पुराण, ऋषि-मुनि, ज्ञान-विज्ञान आदि सदैव इसकी गाथा गाते हैं, इसलिए हमारा कर्तव्य बनता है कि हम इसकी रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती, भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

यह विकास वर्ग विद्याभारती की योजनानुसार दिनाँक 20 मई से 28 मई तक चला, जिसमें नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाली सरस्वती शिशु मंदिरों के नवचयनित आचार्य-दीदीयों को प्रशिक्षण देने के लिए लगाया गया था। इसमें नगरीय 26 एवं ग्रामीण 22 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लेकर शिक्षण की बारीकियों के साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए शारीरिक, योग, व्यायाम, बौद्धिक, तकनीकि आदि में अपने आप को निखारने के गुण सिखाए गए।

विद्याभारती मेरठ प्रांत के प्रधानाचार्यों का अभ्यास वर्ग सम्पन्न

क्रियाआधारित शिक्षण आज की महती आवश्यकता - श्री दिलीप जी बेतकेकर

दिनांक 03 जून 2018 को भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मन्दिर नोएडा में विद्याभारती मेरठ प्रांत द्वारा प्रधानाचार्य अभ्यास वर्ग प्रारम्भ किया गया। इस अभ्यास वर्ग से विद्याभारती अपने प्रधानाचार्यों को आधुनिक परिवेश के लिए तैयार करना चाहती है। विद्याभारती पश्चिम उ.प्र. क्षेत्र के मेरठ प्रान्त के 204 प्रधानाचार्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें भारतीय शिक्षा समिति, सी.बी.एस.ई., श्री विद्या परिषद्, शिशु शिक्षा समिति, जन शिक्षा समिति के सभी प्रधानाचार्यों ने 03 जून से 08 जून 2018 तक साथ-साथ रहकर विद्यालय के शैक्षिक, भौतिक व आर्थिक उन्नयन के लिए विभिन्न क्रियाकलाप में भाग लेकर कई हुनर सीखे ताकि विद्या भारती के विद्यालय पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपना परचम लहरा सकें। विद्या भारती पश्चिमी उ.प्र. क्षेत्र के मेरठ प्रान्त के अभ्यास वर्ग के उद्घाटन सत्र में माँ सरस्वती के समक्ष श्री दिलीप बेतकेकर जी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने दीप प्रज्वलन किया, श्री विशेषकुमार गुप्ता (वर्गाधिकारी) तथा श्री तपनकुमार जी (प्रान्त संगठन मंत्री), श्री जितेन्द्रपाल तेवतिया (अध्यक्ष, जन शिक्षा समिति) ने पुष्पार्चन किया।

प्रधानाचार्य अभ्यास वर्ग में प्रधानाचार्यों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया। एक:- सब प्रकार से भौतिक पक्ष, आर्थिक पक्ष, शैक्षिक पक्ष की दृष्टि से सबल प्रधानाचार्य, दो:- मध्यम वर्गीय प्रधानाचार्य, तीन:- प्रयासरत प्रधानाचार्य। इस अभ्यास वर्ग में प्रत्येक दिन 5 सत्र रहे और प्रत्येक सत्र में प्रधानाचार्यों को विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ दी गयी। जैसे ''प्रशिक्षण एवं तकनिकी का प्रयोग'' विषय पर श्री अजय अवस्थी जी ने प्रशिक्षण दिया, डॉ. किशनवीर जी (राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त प्रधानाचार्य) ने विद्यालय की वार्षिक योजना पर बल दिया, श्री काशीपति जी (अखिल भारतीय संगठन मंत्री) ने विद्यालय में प्रधानाचार्य की भूमिका विषय पर चर्चा की, श्री राजेन्द्र बघेल जी ने शिक्षा में ''शून्य निवेश नवाचार'' विषय पर विवेचना की।

इसी क्रम में एक सत्र में एन.सी.ई.आर.टी. के प्रशिक्षण विभाग के सदस्य प्रो. वीरपाल सिंह ने ''प्रश्न बैंक का विकास'' विषय पर प्रधानाचार्यों को अपने छात्रों के शैक्षिक उन्नयन के लिए विषय प्रस्तुत किया तथा एन.आई.ओ.एस. के पूर्व अध्यक्ष श्री महेश पन्त जी ने अपने विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन के लिए विषय रखा, साथ ही उन्होंने बताया की विद्यालय के सभी प्रकार के विकास के लिए प्रधानाचार्य को अपने अन्दर के कौशल को किस प्रकार विकसित करना चाहिए।

इसी क्रम में श्री दिव्यकांत शुक्ला जी (संयुक्त शिक्षा निदेशक, मेरठ) ने उत्तरप्रदेश में शैक्षिक नियमावली एवं शासनादेशों पर चर्चा की तथा जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से प्राप्त विभिन्न प्रकार के आदेशों का क्रियान्वयन कर विद्यालय की व्यवस्था सुदृढ़ करने का विषय प्रस्तुत किया।

साथ ही सी.आई.ई.टी. की विभाग प्रमुख डॉ. इन्दुकुमार ने बताया कि एन.सी.ई.आर.टी. के माध्यम से आई.सी.टी. के क्षेत्र में कैसे योगदान दे रहा है। देश की 1.3 बिलियन जनसंख्या के बीच डिजिटल इण्डिया को कैसे आई.सी.टी. के माध्यम से साकार रूप दिया जा रहा है। डॉ. इन्दु ने बताया कि इन्फॉर्मेशन एवं कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी के द्वारा ई.-कन्टेन्ट, ई-पाठशाला, दीक्षा पोर्टल, स्वयं पोर्टल के द्वारा शिक्षा क्षेत्र को प्रभावित कर देश की दशा व दिशा कैसे सुधरेगी और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों को कार्य करने का अवसर कैसे मिलेगा।

इस अभ्यास वर्ग में राष्ट्रीय मन्त्री श्री हेमचन्द्र जी ने बालक के निर्माण की कल्पना में बताया कि यदि बालक की शिक्षा, संस्कार, स्वदेश प्रेम, संस्कृति प्रेमयुक्त हो तो बालक परिवार का ही नहीं अपितु देश और समाज के लिए श्रेष्ठ बनेगा।

यदि वह बालक स्वावलम्बी हुआ तो वह स्वाभिमानी व आत्मरक्षक भी होगा।

वर्ग का संचालन वर्ग कार्यवाह श्री रमेशचन्द्र पाण्डेय ने किया तथा सहयोगी के रूप में श्री विपिन राठी जी एवं श्री केशवकुमार शर्मा जी रहे।

शिशु मंदिर की पूर्व छात्रा ने अपने विवाह के अवसर पर दी मंगलनिधि राशि

एक विद्यार्थी का भविष्य, उसके साथ ही देश का भविष्य परिवारों और विद्यालयों के साथ-साथ बनता है, दोनों साथ मिलकर यह कार्य करते हैं। इस बात को सिद्ध किया शंकरदेव शिशु निकेतन, बिहपुरिया की पूर्व छात्रा मौसुमी देउरी ने। अपने विवाह के अवसर पर जनजाति क्षेत्र में चलने वाले विद्यालयों के लिए पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति को मंगलनिधि के रूप में उन्होंने 10,000 रु. की राशि शिक्षा कार्य हेतु समर्पित की।

वैवाहिक अवसर पर मौसुमी देउरी के पिता विदेश्वर देउरी ने कहा शिक्षा का मूल उद्देश्य परिवार, समाज और देश को संस्कारवान करना है। इससे ही श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण होता है।

हिमाचल के प्रांतीय कार्यालय का लोकार्पण समारोह

हिमाचल शिक्षा समिति के नवनिर्मित प्रान्त कार्यालय 'चेतराम ज्ञान भवन' का लोकार्पण प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर के द्वारा 26 अप्रैल 2018 को शिमला के विकासनगर में किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षा मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता वन, परिवहन एवं खेल मंत्री श्री गोबिन्द सिंह ठाकुर ने की। विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री हेमचन्द्र जी इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे।

मुख्यमंत्री ने सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में यह चिन्ता की बात है कि हमारी शिक्षा प्रणाली में हमारी संस्कृति एवं मूल्य कहीं न कहीं पीछे छूट रहें हैं। आगे उन्होंने कहा कि विद्याभारती ने देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण संस्थान स्थापित किए हैं, जो 33 लाख से अधिक विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में मौजूदा शिक्षा प्रणाली लॉर्ड मैकाले द्वारा स्थापित की गई व्यवस्था पर आधारित है, क्योंकि अंग्रेज भारत में ऐसी शिक्षा प्रणाली चाहते थे, जिसमें सम्मान, संस्कृति व मूल्यों के लिए कोई स्थान न हो और केवल व्यक्ति शिक्षित बने। उन्होंने कहा कि आज़ादी के 72 वर्ष बाद भी हम इसी शिक्षा प्रणाली को ढ़ो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्या भारती द्वारा संचालित संस्थानों में उम्मीद की किरण दिखाई देती है, जहाँ आज भी हमारी समृद्धि, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनुसरण किया जा रहा है। श्री जयराम ठाकुर ने कहा कि हमें अपने देश की समृद्धि, संस्कृति एवं रीति-रिवाजों के संरक्षण के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को इस प्रकार प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि उन्हें अपनी परम्पराओं पर गर्व हो। उन्होंने कहा कि विद्या भारती के विद्यार्थी प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को हाल ही में घोषित बोर्ड परीक्षा परिणामों में बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सरस्वती विद्या मन्दिर, बिलासपुर की कुमारी दीपाली को बोर्ड परीक्षा में प्रदेश भर में 12वीं की परीक्षा में 10वां स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया।

प्रदेश के परिवहन व वन मंत्री श्री गोबिन्द ठाकुर ने कहा कि विद्या भारती शिक्षा संस्थान विद्यार्थियों को मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने वाला देश के सबसे बड़े संस्थानों में है। उन्होंने चेतराम ज्ञान भवन के सुदृढ़ीकरण के लिए पांच लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री हेमचन्द्र जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि विद्याभारती देश भर में अंग्रेजी शिक्षा का विकल्प देने के लिए प्रयासरत है। अंग्रेजों ने भारतीय लोगों में विदेशी सोच का निर्माण करने के उद्देश्य से अंग्रेजी शिक्षा को प्रारम्भ किया था। भारत की शिक्षा के बारे में उचित विचार नहीं होने के कारण देश में अनाचार, व्यभिचार और बलात्कार जैसी घटनाएँ हो रही हैं। जब तक भारत की शिक्षा भारतीयता आधारित और भारत-केन्द्रित नहीं होगी, तब तक भारत आगे नहीं बढ़ सकता।

समिति के प्रांत संगठन मंत्री श्री राजेन्द्र कुमार ने चेतराम ज्ञान भवन के निर्माण सम्बन्धी जानकारी रखते हुए कहा कि पूर्व प्रांत कार्यवाह स्व. चेतराम जी के अथक प्रयासों से ही हिमाचल में सरस्वती विद्या मन्दिरों का वर्तमान स्वरूप बना है।

देवीसिंह वर्मा
प्रान्त प्रचार प्रमुख, हि.शि.स. मो.- 94180039

विद्याभारती मालवा के प्रतिभावान छात्रों का हुआ अभिनन्दन

विद्याभारती मालवा प्रांत द्वारा माध्यमिक शिक्षा मण्डल (म.प्र.) मुख्य परीक्षा 2018 की प्रदेश स्तरीय प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के लिए सरस्वती शिशु मंदिर महाकालपुरम, उज्जैन में दिनांक 13 मई 2018 को एक अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय है कि कक्षा 10वीं की प्रांतीय प्रावीण्य सूची में पहला, दूसरा, तीसरा, पाचवां, छठवां, एवं नवां स्थान सरस्वती शिशु मन्दिरों के भैया-बहिनों ने प्राप्त कर मालवा प्रांत का परचम लहराया है। इसी प्रकार 12वीं कक्षा की भी प्रांतीय प्रावीण्य सूची में नवां स्थान शिशु मंदिर के भैया ने ही प्राप्त किया। इस समारोह में छात्र-छात्राओं को अभिनंदन-पत्र एवं नकद राशि भेंट देकर सम्मानित किया गया।

अभिनन्दन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में प्रांतीय सचिव श्री प्रकाश जी रोकड़े ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांत प्रमुख श्री ओमप्रकाश जी जांगलवा ने की।

भेरूलाल कनेरिया

प्रांत स्तरीय आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ

विद्या भारती का लक्ष्य राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है- श्री अरावकर

सरस्वती विद्या मंदिर सी.बी.एस.ई. आवासीय विद्यालय मंदसौर में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की योजनानुसार 15 दिवसीय प्रांत स्तरीय आचार्य सामान्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ प्रारंभ हुआ।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री श्रीराम अरावकर, विद्या भारती मालवा के संगठन मंत्री श्री अखिलेश मिश्र तथा वर्ग कार्यवाह श्री पंकज पंवार उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता श्री अरावकर जी ने विद्या भारती के लक्ष्य के बारे में बताते हुए कहा कि विद्या भारती का लक्ष्य इस प्रकार की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली का विकास करना है, जिसके द्वारा ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण हो सके जो हिन्दुत्वनिष्ठ एवं राष्ट्र-भक्ति से ओत-प्रोत हो। शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से पूर्ण विकसित हो तथा जो जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सके।

भेरूलाल कनेरिया।

शिक्षा विकास समिति उड़ीसा द्वारा मेधावी छात्रों का हुआ अभिनंदन

प्रदेश में उच्च विद्यालय सर्टिफिकेट परीक्षा 2018 (कक्षा दसवीं) में शिक्षा विकास समिति द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के 94 प्रतिशत से उपर अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रांत के 74 मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनंदन किया गया। इसी प्रकार 12वीं कक्षा (विज्ञान संकाय) के 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 08 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। इसके लिए दिनांक 13 मई 2018 को सरस्वती विद्या मंदिर, युनिट-8, भुवनेश्वर के एक विद्यालय में अभिनंदन समारोह रखा गया। ज्ञातव्य हो कि सरस्वती शिशु मंदिर पाराद्वीप के छात्र जन्मेजय पण्डा (कक्षा दसवीं) ने 580 अंक प्राप्त कर प्रांत में प्रथम स्थान हासिल किया एवं शिक्षा विकास समिति उड़ीसा को प्रदेश में गौरवान्वित किया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जहाँआरा बेगम् अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा परिषद् उड़ीसा, सम्मानित अतिथि के रूप में डॉ. किशोरचन्द्र महान्त (विद्या भारती के रा. सह मंत्री), मुख्य वक्ता के रूप में बसंत कुमार पण्डा (विशिष्ट भाषाविद् एवं उपाध्यक्ष शिक्षा विकास समिति, उड़ीसा) एवं अध्यक्ष के रूप में डॉ. विनायक दास (अध्यक्ष, शि.वि.स. उड़ीसा) उपस्थित रह कर मेधावी छात्र-छात्राओं, उनके माता-पिता एवं उनके प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में श्री गोविन्द चन्द्र महान्त, डॉ. लक्ष्मीकान्त महाराणा और श्री रामाकान्त महान्त ने भी सहभाग कर छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया।

प्रचार-प्रसार विभाग, शि.वि.स. उड़ीसा।

भारत सरकार द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा' निबन्ध प्रतियोगिता में पाया तृतीय स्थान

ज्वालादेवी विद्यालय के छात्र अंकितकुमार यादव ने बढ़ाया शहर का मान

भारत सरकार के परिवहन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय निबन्ध लेखन प्रतियोगिता 2017 ''राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा'' का आयोजन पूरे देश भर में किया गया। देशभर से आयी 50 हजार से अधिक प्रविष्टियों में ज्वालादेवी सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स (उ.प्र.) के द्वादश कक्षा के छात्र अंकितकुमार यादव ने इस प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय के साथ-साथ प्रयाग नगरी के गौरव को बढ़ाया।

ज्ञातव्य हो कि 23 अप्रैल 2018 को भारत सरकार के परिवहन विकास मंत्रालय द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में ''राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा'' निबन्ध प्रतियोगिता 2017 के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इसी क्रम में सम्पूर्ण देश में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले अंकितकुमार यादव को भारत सरकार के केन्द्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार की राशि देकर सम्मानित किया गया।

पुरस्कार प्राप्त करने पर आह्लादित अंकितकुमार यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने विद्यालय के मार्गदर्शन को दिया। अंकित की उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री युगलकिशोर मिश्र ने मिष्ठान्न खिलाकर छात्र का स्वागत किया। प्रबंधक श्री च्वयन भार्गव, अध्यक्ष श्री शरद गुप्त तथा विद्याभारती पूर्वी उ.प्र. के प्रदेश निरीक्षक श्री बाँकेबिहारी पाण्डेय ने हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र की इस विशिष्ट उपलब्धि पर माला पहनाकर स्वागत किया तथा भविष्य में वह इस प्रकार की उपलब्धियाँ प्राप्त करता रहे, ऐसा शुभाशीष प्रदान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने छात्र की इस विशिष्ट उपलब्धि पर कहा कि अंकित के इस सफलता से न केवल विद्यालय का अपितु नगर व प्रदेश का भी नाम रोशन हुआ है।

विद्यालय प्रधानाचार्य।

विद्या भारती काशी प्रांत के प्रधानाचार्यों की योजना बैठक सम्पन्न

विद्या भारती काशी प्रांत की भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं जन शिक्षा समिति काशी प्रांत के प्रधानाचार्यों, बालिका शिक्षा प्रमुखों एवं शिशु वाटिका प्रमुखों की कार्य-योजना बैठक सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, विवेकानंद नगर, सुल्तानपुर, उ.प्र. में दिनांक 13 से 15 अप्रैल 2018 तक सम्पन्न हुई। इस बैठक का उद्घाटन क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू जी ने किया। श्री साहू जी ने प्रधानाचार्यों को संबोधित करते हुए कार्य-योजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा-वार्ता की।

इस योजना बैठक में भारतीय शिक्षा समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश के 100 प्रधानाचार्य, बालिका शिक्षा प्रमुख, शिशु वाटिका प्रमुख एवं जन शिक्षा समिति काशी प्रांत के 86 प्रधानाचार्यों, बालिका शिक्षा प्रमुखों एवं शिशु वाटिका प्रमुखों (कुल 186) ने सहभाग किया। सभी प्रधानाचार्यों ने अपने-अपने जिला, संकुल, बालिका शिक्षा, शिशु वाटिका, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा की कार्य-योजना का निर्माण किया।

इस कार्य-योजना बैठक में (वर्ष 2017-18) विद्याभारती के विद्यालयों द्वारा उ.प्र. शिक्षा बोर्ड एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा आयोजित परीक्षा में 10वीं तक स्थान प्राप्त भैया-बहनों के प्रधानाचार्य, एस.जी.एफ.आई. पदक प्राप्त खिलाड़ियों, एवं राष्ट्रीय विज्ञान मेला के विजेता प्रतिभागियों के प्रधानाचार्य एवं मेधावी छात्र-योग्यता परीक्षा में स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आए अतिथियों का आभार-ज्ञापन विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश जी सिंह ने किया।

प्रांतीय आचार्या कार्यशाला सीवान में सम्पन्न

द्वारा - लोक शिक्षा समिति, बिहार

विद्याभारती की प्रांतीय इकाई लोक शिक्षा समिति, बिहार ने अपनी आचार्याओं की गुणवत्तावर्द्धन हेतु एक ''प्रांतीय महिला आचार्य कार्यशाला'' का (दिनांक 18 मई से 20 मई 2018 तक) महावीरी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर, सीवान में आयोजन किया। जिसमें पूरे प्रांत से 60 महिला आचार्या सम्मिलित हुई। इस त्रिदिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन बालिका शिक्षा की राष्ट्रीय संयोजिका सुश्री रेखा चुड़ासमा जी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय सचिव श्री दिलीप कुमार झा, विभाग निरीक्षक श्री मिथिलेश कुमार सिंह और प्रांतीय संयोजिका सह प्रधानाचार्या श्रीमती शर्मिला कुमारी मंचासीन रहीं।

अपने उद्बोधन में सुश्री रेखा चुड़ासमा ने इस कार्यशाला की उपादेयता पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के प्रथम दिन इन्हीं की अध्यक्षता में एक ''माता-पुत्री विचार गोष्ठी'' का आयोजन किया गया। इस विचार गोष्ठी में बालिका शिक्षा की दृष्टि से कई महत्वपूर्ण विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दूसरे दिन ''सरस्वती यात्रा'' का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रशिक्षार्थी आचार्याओं के साथ विद्यालय की बहनों को 13 स्थानों (महिला अल्पावास, महिला हेल्पलाइन, महिला थाना, राष्ट्रीय जीवन बीमा निगम, नगर परिषद्, रेलवे स्टेशन, सदर अस्पताल, डाकघर, विद्युत विभाग इत्यादि) पर अलग-अलग टोली बनाकर उनके कार्य की विशेषता व दक्षता जानने के लिए भेजा गया। इस कार्यक्रम से उक्त कार्यालयों में उत्साह देखने को मिला तथा सभी ने काफी सहयोग किया, जिससे बहनों व आचार्याओं को बहुत सारी जानकारियाँ प्राप्त हुई और उन कार्यालयों के बारे में पर्याप्त प्रायोगिक ज्ञानवर्द्धन हुआ। इस यात्रा से लौटने के पश्चात् अपने अनुभव को बहनों ने 'अनुभव कथन' के रूप में प्रस्तुत किया। प्रांतीय बालिका शिक्षा प्रमुख ने विद्यालयों में चल रही गतिविधियों की जानकारी ली तथा बालिका शिक्षा की पाठ्यक्रम आधारित गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

समापन दिवस को मा. रा. संयोजिका ने ''महिला स्वास्थ्य'' विषय पर सबका मार्गदर्शन किया। उन्होंने ''विद्यालयी वातावरण में बालिका शिक्षा को कैसे जोड़ा जाए'' इस विषय पर आचार्याओं के साथ चर्चा की। इस चर्चा के पश्चात् आचार्याओं द्वारा कई प्रस्ताव व सुझाव आए। उन्होंने कहा कि अपने जीवन में सफल महिलाओं के जीवन-चरित्र का चित्रांकन कर उसे बालिकाओं को दिखाना चाहिए, इससे उनके मन-मस्तिष्क पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। कन्या सभा का आयोजन कर उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा सकता है। पाक शास्त्र के क्रियाकलापों में भी उन्हें शामिल करना चाहिए, तभी हम बहनों में मातृत्व, कर्तृत्व और नेतृत्व का विकास कर सकेंगे। सरस्वती विद्या मंदिर बाघमारा, पुर्णियाँ की आचार्या श्रीमती अमिता प्रियंवदा ने भी ''किशोरावस्था तथा उसकी विशेषताएँ'' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। वंदेमातरम् गायन के पश्चात् कार्यशाला का समापन हुआ।

शिक्षा विकास समिति उड़ीसा का साधारण सभा अनुष्ठित

शिक्षा का गुणात्मक अभिवृद्धि के लिए समाजबोध, राष्ट्रबोध, संस्कृतिबोध एवं अध्यात्मबोध अनिवार्य है।

शिक्षा विकास समिति, उड़ीसा की साधारण सभा की बैठक दिनांक 21 एवं 22 अप्रैल को सम्पन्न हुई। उद्घाटन के अवसर पर विद्या भारती के संस्कृत विषय के अखिल भारतीय प्रभारी मा. विजय गणेश कुलकर्णी ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती के वैचारिक अधिष्ठान को समाज में सन्निहित करने के लिए शिक्षा विकास समिति के सभी कार्यकर्ताओं को समाजबोध, राष्ट्रबोध, संस्कृतिबोध एवं अध्यात्मबोध की आधारशिला पर खड़ा होकर संगठन के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए आह्वान किए।

इस साधारण सभा में प्रदेश के 116 संकुल के 101 संकुल संयोजक, 68 संकुल प्रमुख व क्षेत्रीय एवं अखिल भारतीय 06 कार्यकर्ता सहित कुल 262 कार्यकर्ता रहे।

सभा के समापन पर विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री मा. गोविन्द चन्द्र महान्त ने अपने उद्बोधन में समिति के प्रवासी कार्यकर्ताओं से अपनी दक्षता और पारदर्शिता के बल पर कार्यक्षेत्र में आनेवाली बाधा तथा प्रतिकूल परिस्थिति का दमन कर राष्ट्र को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए आह्वान किया। शैक्षिक, सैद्धान्तिक और सांगठनिक कार्य का प्रसार करने एवं शिक्षा की गुणात्मक अभिवृद्धि के लिए मानस चिंतन करना इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य रहा। सभा में वार्षिक प्रतिवेदन का विवरण डॉ. लक्ष्मीकांत महाराणा ने प्रस्तुत किया।

प्रचार-प्रसार प्रमुख, शि.वि.स. उड़ीसा।

क्षेत्रीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता में नालंदा के छात्र ओवर ऑल चैम्पियन

बिहार प्रांत के सीवान में आयोजित क्षेत्रीय ताईक्वांडो खेल प्रतियागिता में पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर (राजगीर), नालंदा के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक 16 स्वर्ण, 15 रजत एवं 09 कांस्य पदक जीत लिए, जिससे विद्यालय क्षेत्र में ओवर ऑल चैम्पियन बन गया। इस प्रतियोगिता में बिहार एवं झारखंड क्षेत्र के 400 से अधिक खिलाड़ी छात्र भाग लेने आए थे।

सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर के खिलाड़ियों ने सभी वर्गों में अपना परचम लहराया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक सह संयुक्त सचिव श्री भानुप्रकाश ने खिलाड़ी छात्रों को आगे होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शुभकामनाएँ दी।

सुमनकुमार चौधरी,
सूचना एवं जनसंपर्क प्रमुख।

सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब ने मनाया वार्षिक उत्सव

संस्कारों के बिना शिक्षा अधूरी - डॉ. श्रुति शुक्ला
उत्कृष्ट आचार्य व प्रधानाचार्यों को किया गया सम्मानित

''विद्या धाम'' गुरु गोविन्द सिंह एवेन्यू में विद्या भारती की प्रांतीय समिति ने अपना वार्षिकोत्सव (16,17,18 मई 2018) मनाया। जिसकी मुख्य अतिथि डॉ. श्रुति शुक्ला (स्टेट को-आर्डिनेटर, एस.सी.आर.टी.), श्री यतीन्द्र जी शर्मा (सह संगठन मंत्री, विद्या भारती), श्री सुरेन्द्र जी अत्री (महामंत्री उत्तर क्षेत्र) एवं श्री अशोक जी बब्बर (महामंत्री, सर्व.शि. स. पंजाब) उपस्थित रहे।

महामंत्री श्री सुरेन्द्र जी अत्री ने कार्यक्रम में आए शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज़ादी मिलने के बाद भी हमें अपना शिक्षा तंत्र नहीं मिल पाया। आप सभी के द्वारा ही शिक्षा के इस उद्देश्य को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि हम सभी श्रेष्ठता प्राप्त करने हेतु सक्रिय रहें, इसी कारण से ही इस वार्षिक उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हम सभी के सामुहिक प्रयासों से ही संस्कारवान पीढ़ी का निर्माण हो सकेगा, जो मानवता को सुखी व समृद्ध कर देश को दुनियाँ के शिखरतम स्तर पर ले जाएगी। इस लक्ष्य को पाने के लिए हमें सदैव अध्ययनरत रहना होगा। डॉ. अम्बेडकर, डॉ. अब्दुल कलाम व कपिलदेव आदि जिन्होंने देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया, इन सभी के निर्माण में इनके शिक्षकों की ही मुख्य भुमिका रही है। इसके साथ ही समाज के वंचित व दुर्बल वर्ग को भी आगे बढ़ाना व उनकी शिक्षा की उत्तम व्यवस्था करना हम सभी का कर्तव्य है।

डॉ. श्रुति शुक्ला ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा मात्र जानकारियों का संग्रह नहीं बल्कि शिक्षा तो बालक के सर्वांगीण विकास का माध्यम होना चाहिए। वर्तमान शिक्षा के स्तर व व्यवस्था को ठीक करने के लिए शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों व सारे समाज को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रत्येक छात्र की प्रतिभा को पहचानकर उसका प्रकटीकरण भी हम सभी शिक्षकों का ही दायित्व है।

तीन दिन तक चले इस वार्षिक उत्सव में पंजाब के विभिन्न विद्या मंदिरों से 200 शिक्षक उपस्थित हुए। उल्लेखनीय है कि ये सभी शिक्षक अपने स्थानों से कठोर परीक्षा उत्तीर्ण कर भाग लेने आए थे।

वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन श्री यतीन्द्र जी शर्मा ने कहा कि विद्याभारती की स्थापना केवल स्कूल खोलने के उद्देश्य से नहीं की गई है। वास्तव में विद्याभारती का उद्देश्य समाज में भारतीय शिक्षा के अनुसार मॉडल खड़ा करना है। बालकों का सर्वांगीण विकास करना ही विद्या भारती का लक्ष्य है। अत: हम सभी को मिलकर समर्पित भाव से शिक्षा के स्तर को उठाना है। गायक व पद्मश्री विभूषित श्री हंसराज हंस ने सर्वहितकारी शिक्षा समिति की भूरि-भूरि प्रसंशा करते हुए कहा कि सर्वहितकारी का समाज के उत्थान में अतुलनीय योगदान है। यही एक ऐसा शैक्षिक संगठन है जो शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से अग्रसर है। अनेक प्रक्रियाओं से निकलकर उत्कृष्ट सिद्ध हुए आचार्यों व प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया।

प्रचार विभाग की बैठक:- सर्वहिकारी शिक्षा समिति के प्रचार विभाग की बैठक दिनांक 17 मई 2018 को श्री विजय

जी नड्डा के मार्गदर्शन में हुई, जिसमें समिति के महामंत्री, मंत्री, प्रांत प्रचार प्रमुख, प्रांत सवाददाता, संपादक, प्रांत शैक्षिक प्रमुख, सर्वहित संदेश प्रमुख, विभाग बौद्धिक प्रमुख एवं अन्य समाचार पत्रों के संपादक व संवाददाता उपस्थित रहे। बैठक में पत्रिका संपादन से संबंधित विभिन्न विन्दुओं पर चर्चा हुई। जैसे - बाल साहित्यकारों की सूची बनाना, स्वास्थ्य संबंधी पृष्ठों पर अपने 12 भारतीय चिकित्सा पद्धति का उल्लेख हो, वैदिक गणित, शिक्षा में नवीनतम प्रेरणादायी प्रयोग, उपलब्धियाँ, साक्षात्कार, कैरिअर व अन्य गतिविधियों का समावेश हो, विभिन्न विषयों की लेखक टोली बनें, प्रतिमास की पत्रिका किसी एक उद्देश्य (थीम) पर आधारित हो, इन सब विषयों पर चर्चा हुई। थीम के विषय भी मुख्य रूप से तय किए गए जैसे :- विश्व विज्ञान में भारत का योगदान, पर्यावरण, सेवा संस्कार, महापुरुषों का बचपन, परिवार प्रबोधन, आदर्श आचार्य, शिक्षा में अभिनव प्रयोग, भारत के बढ़ते कदम, स्वच्छ भारत - स्वस्थ भारत, बदलता बचपन, बालकों की विशेष उपलब्धियाँ आदि के अलावा न्यू मीडिया (ई. पत्रिका, फेसबुक पेज, बेबसाईट) को भी पत्रिका में संलग्न करने हेतु आग्रह किया गया।

प्रांतीय आचार्य/आचार्या प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न :- सर्वहितकारी शिक्षा समिति ने अपने प्रांत में विद्याधाम में पाँच दिवसीय आचार्य/अचार्या प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन (दिनांक 31 मई से 04 जून 2018 तक) किया। इस वर्ग में पूरे पंजाब प्रांत के 43 विद्यालयों से 75 आचार्य/आचार्याओं ने भाग लिया। वर्ग में आचार्यों ने संगीत, शारीरिक और नैतिक व अध्यात्मिक शिक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

''इतनी भारी गर्मी में जबकि लोग घरों से बाहर निकलने में भी गुरेज करते हैं परन्तु आप सभी स्वेच्छा से यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त करने आए। वास्तव में तो हम इसी को तप कह सकते हैं। भगवान भास्कर के प्रचंड ताप को भी हम सबने सह लिया। इसी ताप को सहने के कारण यह तप है। यहाँ रहकर हम सभी ने बहुत कुछ सीखा है। आज हम सभी अपने-अपने स्थान को प्रस्थान करने वाले हैं। अपने-अपने विद्या मंदिरों में पहुँचकर प्राप्त प्रशिक्षण का सदुपयोग करें, आप सभी से ऐसी अपेक्षा है। अपने विद्या मंदिरों के बालकों का सर्वांगीण विकास तभी संभव होगा जब हम यहाँ प्राप्त प्रशिक्षण के अनुसार ही अपना अध्यापन कार्य करेंगे। प्रशिक्षित आचार्य ही योग्य बालक का निर्माण कर सकता है।'' उपरोक्त विचार सर्वहितकारी शिक्षा समिति के महामंत्री श्री अशोक बब्बर ने विद्याधाम में चल रहे आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के समापन पर व्यक्त किए। समापन कार्यक्रम में श्री विजय नड्डा, श्री संजीव संगर व श्री सतपाल बंसल भी उपस्थित रहे।

प्रांतीय आचार्य/प्रधानाचार्य सम्मान समारोह जामनगर में सम्पन्न

द्वारा:- भारतीय शिक्षण सेवा समिति जामनगर (गुजरात)

विद्याभारती के राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री श्री श्रीराम आरावकर जी की विशेष उपस्थिति में आचार्य सम्मान कार्यक्रम जामनगर (गुजरात प्रांत) में सम्पन्न हुई। यह सभा जामनगर के श्री स्वामीनारायण गुरुकुल में दिनांक 22 अप्रैल 2018 को आयोजित हुई। कार्यक्रम में विद्या भारती के क्षेत्रीय मंत्री श्री मुकेशभाई जादव, प्रांत संगठन मंत्री श्री महेशभाई पतंगे, प्रांत अध्यक्ष श्री सुभाषभाई दवे, प्रांत महामंत्री श्री नीतिनभाई पेथानी तथा भारतीय शिक्षण सेवा समिति के प्रमुख श्री अपूर्वभाई मणियार, मंत्री श्री दीपकभाई राठौर तथा समिति के अन्य ट्रस्टीगण एवं प्रांत के संलग्न विद्यालयों के आचार्य/आचार्या व प्रधानाचार्यों सहित 350 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

इस कार्यक्रम में पूर्व निर्धारित मापदंडों के आधार पर भारतीय शिक्षण सेवा समिति द्वारा तय किए गए चयन प्रक्रिया के तहत प्रांत के उत्कृष्ट 04 आचार्यों एवं 03 प्रधानाचार्यों का चयन हुआ। इन चयनित आचार्यों एवं प्रधानाचार्यों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा श्रीफल, मिश्री, शॉल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। समिति की तरफ से सम्मानित आचार्यों को 25,000 रुपये एवं प्रधानाचार्यों को 31,000 रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई।

सम्मानित प्रधानाचार्या श्रीमती दमयंती बहेन परिहार ने कहा कि अपनी 25 वर्ष के दीर्घकालीन सेवा के दरम्यान जो मेरा विकास हुआ है, वह विद्या भारती के कार्यों के करने से ही हुआ है। विद्या भारती के कार्यकर्ताओं ने परिवार जैसा माहौल दिया एवं सुख-दुख में हमेशा साथ रहे। सम्मानित आचार्य श्री बलवंत सिंह राज ने कहा कि विद्या भारती के विद्यालय में शिक्षण कार्य करते हुए एक आचार्य के रूप में वे पूर्ण संतोष की अनुभूति करते हैं। सम्मानित आचार्यों में श्रीमती जागृतिबहेन जोशी, श्रीमती रेखाबहेन विकाणी, श्रीमती लक्ष्मीबहेन पटेल, श्रीमती चंदाबहेन कौराणी, एवं श्री कनुभाई पटेल शामिल रहे।

श्रद्धांजलि

शंतनु रघुनाथ शेण्डे जी को....

माया नगरी मुंबई (कल्याण) में जिनका जन्म हुआ, उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति शिक्षा के माध्यम से सुदूर पूर्वोत्तर में सेवा कार्य के लिए अपना जीवन समर्पित करता है और ''भगवान ने मेरे द्वारा करायी पूर्वोत्तर भारत सेवा'' का भाव व्यक्त करता है, वह शंतनु शेण्डे नाम से प्रसिद्ध शालीन व्यक्तित्व का शरीर दिनांक 22 अप्रैल 2018 को शांत हो गया।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के महामंत्री का दायित्व भी निर्वहन आपने किया। अधिकार सम्पन्न व्यक्ति अहंकार शून्य हो, ऐसे उदाहरण दुर्लभ है। शेण्डे जी सहज, सरल एवं साधारण कार्यकर्ताओं के लिए सबसे सुविधाजनक अधिकारी रहे।

वैदिक गणित की गोष्ठियों और विज्ञान मेले में तो हम उन्हें मुख्य अतिथि या निर्णायक, वक्ता, श्रोता जैसा आग्रह करते वे सहज तैयार ही रहते थे। देशभर प्रवास करने के कारण विषय विशेषज्ञों की जानकारी देते थे। कहीं कोई गणितग्रंथ मिला, नई जानकारी मिली तो वे कार्यकर्ताओं को अवश्य बताते थे। विद्यार्थी हो या विद्वान, सभी के बीच में सहजता से रहते थे।

इस आयू में भी सक्रिय रहने वाले शेण्डे जी साधारण सभा की बैठक (6 से 8 अप्रैल 2018) सतना में मिले थे, तब बताया था कि ''महापुरुषों की माताएँ'' यह पुस्तक लिख रहा हूँ। दिनांक 21 अप्रैल 2018 को दूरभाष पर राष्ट्रीय वैदिक गणित की गोष्ठी जुलाई 2018 भागलपुर के संबंध में चर्चा हुई थी। 22 अप्रैल 2018 को सूचना मिली कि विद्याभारती के पूर्व महामंत्री शंतनु शेण्डे नहीं रहे।

हम सभी कार्यकर्ता अपने सहज, सुलभ और प्रेरक प्रिय शेण्डे जी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

(देवेन्द्र राव देशमुख)
राष्ट्रीय संयोजक, वैदिक गणित विद्याभारती।

महाकोशल के छात्रों की ऐतिहासिक सफलता पर प्रतिभा अलंकरण समारोह का आयोजन

प्रदेश के मेधासूची में 104 छात्र विद्याभारती महाकोशल प्रांत के

प्रतिभा संसाधनों, भाषा और पैसों की मोहताज नहीं होती, उन्हें सिर्फ प्रयास की जरूरत होती है। शिशु मंदिरों में शिक्षा के साथ संस्कारों की शिक्षा भी दी जाती है। उक्त कथन ''विद्या भारती महाकोशल द्वारा आयोजित मेधावी छात्र अलंकरण समारोह 2018'' में मुख्य अतिथि प्रो. पी.के. बिसेन (कुलपति, जे.एन.के. विश्वविद्यालय म.प्र.) ने छात्रों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

ज्ञातव्य हो कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में संचालित महाकोशल प्रांत के सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों ने वर्ष 2018 की बोर्ड परीक्षा (दशम एवं द्वादश) में 104 छात्रों ने प्रदेश की मेधासूची में स्थान प्राप्त कर ऐतिहासिक सफलता पाते हुए पूरे प्रांत को गौरवान्वित किया है।

सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों की इस शानदार सफलता ने हिन्दी माध्यम से संस्कारित शिक्षा के महत्व को साबित कर दिखाया है। हिन्दी माध्यम में शिक्षा को लेकर हीन भावना के शिकार अभिभावकों के लिए सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों की ये सफलता आँखें खोल देनेवाली है। इस अवसर पर विद्याभारती महाकोशल प्रांत के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि - ''छात्रों की यह सफलता हमारे शिक्षकों के कठिन परिश्रम का परिणाम है, जो न्यूनतम मानधन पर भी अधिकतम ऊर्जा के साथ शिक्षण करते हैं।'' इसके लिए मैं सभी शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं को साधुवाद देता हूँ।

अलंकरण समारोह में जबलपुर के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र जामदार, प्रख्यात नेत्र चिकित्सक डॉ. पवन संस्थापक, डॉ. ए.डी.एन. वाजपेयी, विद्या भारती के पदाधिकारी एवं शहर के प्रमुख शिक्षाविद् उपस्थित रहे।

प्रवीण तिवारी, प्रांत संवाद प्रमुख।

सरस्वती विद्यापीठ शिवपुरी में राज्य स्तरीय मलखम्भ प्रतियोगिता सम्पन्न

30वीं मिनी जूनियर एवं 31वीं सब जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग की राज्य स्तरीय मलखम्भ प्रतियोगिता सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी (म.प्र.) में आयोजित की गई। जो खेल और युवा कल्याण विभाग एवं मलखम्भ एशोसिएशन के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें 15 जिले से लगभग 325 बालक-बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मध्यप्रदेश शासन श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया रहीं। साथ ही पुलिस अधीक्षक श्री सुनीलकुमार पाण्डेय, मलखम्भ एसोसिएशन उज्जैन के सचिव श्री किशोरीशरण श्रीवास्तव एवं विद्याभारती मध्यभारत प्रान्त के शिवपुरी विभाग के विभाग समन्वयक श्री ज्ञानसिंह कौरव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक डॉ. एस.एल. थाउसेन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मान. खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने समापन समारोह के सुअवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस खेल के माध्यम से आप सब राष्ट्रीय स्तर पर नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अपने मध्यप्रदेश का नाम गौरवान्वित करो, ऐसी मेरी शुभकामनाएँ हैं। उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यापीठ की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यापीठ में खेलों का जो स्तर है, वह अन्य क्षेत्रों के विद्यालयों के लिए अनुकरणीय है। मलखम्भ जैसा रोमांचक खेल यहाँ विकसित हो, इसके लिए यहाँ पर उपयुक्त वातावरण एवं संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने हर सम्भव सहायता का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी विजेताओं को मा. खेल मंत्री द्वारा गरिमामय वातावरण में पुरस्कार प्रदान किए गए।

विद्याभारती मध्यभारत प्रांत के छात्रों का प्रतिभा अभिनंदन समारोह

विद्या भारती कार्यालय भोपाल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार मध्यभारत प्रांत की माध्यमिक शिक्षा मंडल परीक्षा की प्रांतीय मेधासूची में कक्षा 10वीं के भैया हर्षवर्धन परमार ने सरस्वती विद्या मंदिर, कालापीपल, शाजापुर (म.प्र.) के 11 लाख छात्रों में प्रथम स्थान लाकर प्रदेश में नाम रौशन किया। हर्षवर्धन ने 500 अंको में से 495 अंक प्राप्त किया। इसके साथ ही भैया प्रभात शुक्ला (सरस्वती शिशु मंदिर, विंध्य कालोनी, उमरिया, म.प्र.) ने 494 अंक प्राप्त कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। भैया चितवन नाईक (सरस्वती शिशु मंदिर, बुरहानपुर, म.प्र.) ने 493 अंको के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही हर्ष का विषय यह है कि कक्षा 10वीं में प्रथम स्थान से लेकर लगातार 10वें स्थान तक सरस्वती शिशु मंदिर के ही 62 भैया/बहिनों ने मेधासूची में स्थान प्राप्त कर एक नया इतिहास रचा है। इसके साथ ही कक्षा 12वीं की प्रांतीय प्रावीण्य सूची में सरस्वती शिशु मंदिर के 07 भैया/बहिनों ने स्थान हासिल किए।

भैया/बहनों की इस उपलब्धि पर विद्याभारती मध्य भारत प्रांत ने वहीं के शारदा विहार आवासीय विद्यालय, केरवा बांध मार्ग, म.प्र. के प्रांगण में एक प्रतिभा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में सभी 69 मेधावी छात्र/छात्राओं को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुनील गुप्ता (कुलपति, राजीव गाँधी प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल) ने कहा कि आज के समय में आई. टी. कंपनी की ग्रोथ कम हो रही है, क्योंकि भारत की अधिकतर जनसंख्या गाँव में निवास करती है। उनकी अंग्रेजी भाषा काम नहीं आ रही है। अब कंपनियाँ अपनी ग्रोथ को बढ़ाने के लिए मातृभाषा एवं क्षेत्रीय भाषा पर बल दे रही हैं।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में डॉ. रवीन्द्र कान्हेरे (कुलपति, भोजमुक्त विश्वविद्यालय, भोपाल) ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त कर अपने समाज के लिए कार्य करें।

डॉ. गोविन्द प्रसाद शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, विद्या भारती) ने इस अवसर पर कहा कि प्रतिभा सूर्य के समान होती है जो जीवन की विभिन्न कठिनाईयों में संघर्ष कर परिस्थितियों को अपने अनुकूल बना लेती है, उनके जीवन पुष्प की सुगंध अपने लिए न होकर समाज के लिए होती है। ऐसी प्रतिभाएँ समाज की धरोहर हैं। विद्याभारती के आचार्य परिवारों ने इतनी मेहनत से इन प्रतिभाओं का सृजन कर छात्रों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण किया है, वह आज हमारे सामने है।

उन्होंने कहा कि विद्याभारती शिक्षा के क्षेत्र में एक विचार को लेकर कार्य कर रही है। शिक्षण के लिए आइए, सेवा के लिए जाइए यह विचार विद्याभारती के समस्त विद्यालयों के द्वार पर अंकित है। विद्याभारती कहती है कि हम ऐसे भैया/बहनों का निर्माण करेंगे जो समाज व देश के लिए समर्पित होंगे। एक आदर्श समाज के लिए एक आदर्श नागरिक बनाना यही विद्याभारती का लक्ष्य है। कार्यक्रम का संचालन श्री रामकुमार भावसार एवं आभार व्यक्त श्री प्रकाश रोकड़े ने किया।

मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित एक अन्य समारोह में भैया हर्षवर्द्धन को मुख्यमंत्री द्वारा भी सम्मानित किया गया। एक अन्य आयोजन में मंत्री श्री विजय शाह द्वारा भैया शुभम् मेवाड़ा को भी पुरस्कृत किया गया।

भगिनी निवेदिता सार्द्धशती वर्ष के उपलक्ष्य में मातृ-सम्मेलन का आयोजन

स्थानः- सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज, बिहार

विद्या भारती बिहार की प्रांतीय ईकाई भारती शिक्षा समिति के तत्त्वावधान में भगिनी निवेदिता सार्द्धशती वर्ष के अवसर पर एक विभागीय मातृ-सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ अखिल भारतीय बालिका शिक्षा संयोजिका सुश्री रेखा चुड़ासमा, क्षेत्रीय बालिका शिक्षा संयोजिका सह प्रधानाचार्या श्रीमती कीर्ति रश्मि, नगर की महापौर श्रीमती रूमाराज, डॉ. इमा सिन्हा, प्रो. शिवरानी सिन्हा ने संयुक्त रूप से स्व. भगिनी निवेदिता की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पण कर की।

मुख्य वक्ता सुश्री रेखा चुड़ासमा ने कहा कि बालक-बालिकाओं की शिक्षा अपनी परंपरा, रीति-रिवाज, एवं संस्कृति को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए। बच्चों में घर-परिवार की मर्यादा, बड़ों के प्रति आदर और सम्मान की भावना एवं स्वावलंबन के संस्कार को विकसित करने में माताओं की भूमिका अहम होती है। इसी प्रकार मुख्य अतिथि श्रीमती इमा सिन्हा ने कहा कि पूरे परिवार की जिम्मेदारी माताओं पर ही होती है, इसलिए माताएँ अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें एवं बेटा-बेटी में भेदभाव न करें।

डॉ. शिवरानी शंडवार ने कहा कि नागरिकता का प्रथम पाठ बच्चा माँ की गोद से ही सीखता है। आज माताएँ बच्चों को लोरी सुनाने के बदले टीवी पर कार्टून फिल्म दिखाती हैं।

प्रधानाचार्या कीर्ति रश्मि ने कहा कि भगिनी निवेदिता ने समाज-सेविका के साथ-साथ एक आदर्श शिक्षिका के रूप में

अपना संपूर्ण जीवन गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। हमें भी अपने बच्चों में भगिनी निवेदिता जैसे संस्कार एवं उन्हीं के जैसी सच्ची देश-प्रेम की भावना जागृत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता सदा से विश्व कल्याणकारी रही है। हमारी संस्कृति पर पश्चिमी सभ्यता का प्रभाव न पड़े, इसके लिए सावधान रहना चाहिए। कार्यक्रम में श्रीमती सुवर्णा घोष, श्रीमती सरोज कुमारी, श्रीमती शीला मेहता, श्रीमती पाणिनी मिश्रा, श्रीमती छाया कुमारी, श्रीमती चित्रा मिश्रा आदि आचार्याओं ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

संतोष कुमार, प्रचार प्रमुख बिहार।

विद्या भारती असम के छात्रों का प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति, असम के छात्रों का नाम असम बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में आने पर उनके लिए एक अभिनंदन समारोह का आयोजन जिला पुस्कालय सभागार, आमबारी (गुवाहाटी) में 08 जून 2018 को किया गया।

इस अवसर पर विद्या भारती की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती अनिमा शर्मा, असम समिति के मंत्री श्री सदादत्त जी, अध्यक्ष श्री निर्मल बरुआ, सामाजिक कार्यकर्ता श्री राजेश मालपानी ने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले शिशु निकेतनों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि असम सरकार के सिंचाई एवं राजस्व विभाग के राज्य मंत्री श्री भवेश कलिता ने शंकरदेव शिशु निकेतनों के परीक्षा परीणाम देखकर प्रसन्नता जाहिर की, उन्होंने कहा कि विद्याभारती के स्कूलों की समाज में आवश्यकता है, जहाँ शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा पर ध्यान दिया जाता है।

असम शिक्षा बोर्ड की मेरिट सूची में शिशु निकेतन के तीन छात्रों ने क्रमशः छठा, सातवां एवं आठवां स्थान प्राप्त किया है। राज्य मंत्री श्री भवेश कलिता ने इन बच्चों को सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया। गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी विद्या भारती के छात्रों ने राज्य में स्थान बनाए रखा। इस वर्ष 254 शिशु निकेतनों के 7107 छात्र असम बोर्ड परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 4581 बच्चों ने प्रथम श्रेणी लेकर पास किया। समारोह में लगभग 500 लोग उपस्थित हुए।

विकास शर्मा,
क्षेत्र संवाददाता, पूर्वोत्तर क्षेत्र।

सर्वहितकारी की जिला समितियों की बैठक जालंधर में सम्पन्न

हमारे लिए राष्ट्र ही सर्वोपरि - यशपाल गोयल

''चाहे हम जिला, प्रांत या राष्ट्रीय स्तर के कार्यकर्ता हों परन्तु एक बात हम सभी में निश्चित रूप से है कि हमारे लिए राष्ट्र ही सर्वोपरि है। हम सब मिलकर अपने देश व समाज की उन्नति हेतु ही कार्य कर रहे हैं। अतः हमारा लक्ष्य सदैव ही हमारे सामने रहना चाहिए। अपना लक्ष्य सामने रहने से हम कभी अपने मार्ग से भटकेंगे नहीं। विद्या भारती की प्रांतीय समिति सर्वहितकारी शिक्षा समिति के द्वारा अभी पंजाब में 123 विद्या मंदिरों का संचालन किया जा रहा है। विद्या मंदिर व प्रांतीय समिति के बीच एक कड़ी है जिला समिति। हम सभी पुराने कार्यकर्ता होने के नाते विचार करें कि जितना कार्य हम कर सकते हैं, क्या उतना कार्य हम कर रहें हैं। आज आवश्यकता है अधिक से अधिक समय देकर कार्य करने की।''

उपरोक्त कथन श्री यशपाल गोयल ने विद्याधाम, जालंधर में चल रहे जिला समितियों की बैठक के समापन समय व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि इस जिला समिति की बैठक (10 मई 2018) में जालंधर, कपूरथला, शहीद भगतसिंह नगर, चंडीगढ़, होशियारपुर, संगरूर, बठिंडा, कोटकपुरा, मलेरकोटला आदि स्थानों से 18 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस बैठक के मुख्य वक्ता (महामंत्री विद्याभारती) श्री ललित बिहारी गोस्वामी ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि ''दशम पातशाही श्री गुरुगोविन्द सिंह जी ने हम सबको 'शुभ करमन ते कबहूँ न टरऊँ और निश्चय कर अपनी जीत करऊँ' का महामंत्र दिया है। उसका ध्यान रखते हुए हम सफलता की ओर बढ़ें। परन्तु सफलता प्राप्त करने हेतु साधनों में पवित्रता भी चाहिए।'' आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम सभी जिला समिति के कार्यकर्ता हैं, अतः सोच समझकर बोलना होगा। हमारे द्वारा कहे गए एक-एक शब्द को तौलेंगे। हमें कभी ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए, जिसके कारण किसी का दिल दुखे। हमें सत्य परन्तु प्रिय बोलना होगा। कार्यक्रम का समापन सुखना मंत्र के साथ हुआ।

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 June, 2018
Total No. of Pages : 16
RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2016-18
Date of Posting -24-25 June, 2018

Annual Principals Conference of BSS J&K held in Ambaphalla

Annual Principals Conference of Bhartiya Shiksha Samiti J&K held in the State office Narayan Bhawan, Ved Mandir Complex Ambaphalla Jammu on 12th May 2018. The programme was inaugurated by Sh. Hem Chander Ji (National Secretary Vidya Bhati Akhil Bhartiya Shiksha Sanasthan Delhi) in the august presence of Proffesor Sh. Kumar Manglam ji from Pune, Sh. Ram Lal Sharma Sr. Vice President, J&K State Sangthan Mantri Sh. Pradip Kumar ji, Smt. Ranjana Bajaj Jt. Sec., Smt. Usha Shammindra ji Retd. A. C. K.V. Sangathan, Sh. Pradip Tripathi.

Sh. Hem Chander ji impressed upon all the principals to work according to the aim of Vidya Bharti in efficient and planned manner with missionary zeal. He said that Vidya Bharti started its first school in 1952 in Gorakhpur (U.P.) and at present is running 13 thousand schools in every corners of the Nation on the basis of Bhartiya view of life based on our rich cultural heritage and innovative knowledge concepts of education. We provide model of education for the common man by the help of society.

He impressed upon all the principals to give more thrust on Value education and Quality education to enrich the young generation of our country with dignity and honour. 30 principals of Vidya Mandir's including Leh attended the conference. The main topics which were discussed in the workshop where In Service Teacher Training, School Annual Planning, Programmes of Academic Excellence, Ideal Educational Atmosphere, Syllabus and Educational Workshop based on CCE, Educational Technology. Sanskriti Bodh Pariyojna, Role of Ex-students and Teachers, Analysis of Results of 8th & 10th class, Gyan-Vigyan, Shishu Vatika, Balika Shiksha. Programmes of 2018-19 like Sports and Games Competitions, Science Exhibitions, Personality Development Camps of Students.

The chief guest on the occasion was Padmashri Brahmdev Sharma ji (Bhai ji) Patron Vidya Bharti. Padmashri Bhai ji healed the efforts of Vidya Bharti workers working in J&K in extreme conditions by providing quality education to students mostly in far flung areas of J&K. He said that it looks extra ordinary when a student of the Vidya Bharti School from Kishtwar cracks the IAS and tops the JKBOSE 10th class results which shows the sincere efforts and hardworking of teachers working with missionary zeal in whole J&K. He also said that Vidya Bharti is running such schools all over the country and all the teachers are working on nominal salary but with missionary spirit which yields the results in all the states of the country and keeps the flying Vidya Bharti Vision & Mission.

Sameer K. Saproo
Off. Secretary
Bhartiya Shiksha Samiti J&K

Prantiya Acharya Prashikshan Varg-2018 of Bhartiya Vidya Niketan held in Kerala

Bhartiya Vidya Niketan, Kerala

Acharya Prashikshan Varg-2018 was held at Vedavyasa Vidyalaya, Malaparamba, Kozhikode (Kerala) from 17 April to 18 May 2018, which saw the participation of 70 Acharyas from all over the state. 56 Eminent personalities from different fields took classes about various subjects.

Vidya Bharati National Organizing Secretary Sri. J.M. Kashipatiji, National Vice-president Sri. Dilip Betkekar ji, National joint secretary Sri N.C.T. Rajagopal ji, Dakshin Madhya kshetra Prashikshan pramukh Sri Soorya Narayan ji, Kshetriya Organizing secretary Sri A.C. Gopinathan ji, State president Smt. Dr.(Prof.) Sumathy Haridas, State secretary Sri A.K. Sreedharan were some of the dignitaries whose grace and valuable suggestions really imparted a newer dimension to each of the Acharyas participated in the event. The Convocation Ceremony was presided by Dr. Sumathy Haridas, the President of B.V.N. Kerala and Chief guest was eminent Academician Sri (Dr.) Ramachandran, the current Principal of Guruvayurappan College, Kozhikode (Kerala).

K. MOHAN KUMAR
PRANT PRASHIKSHAN PRAMUKH

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013